>

Title : Need to restart excavation of coal in closed collieries in Giridih Parliamentary Constituency of Jharkhand.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): 2008-09 के दौरान देश में आयातित कोयले पर निर्भरता करीब 16.00 मिलियन टन हो गया है और देश में करीब 74 प्रतिशत कोयला के उत्पादन का इस्तेमाल विद्युत क्षेत्र में होता है। हमारे संसदीय क्षेत्र के बीसीसीएल के अंतर्गत बरोरा क्षेत्र सं-1 में दो, गोविन्दपुर क्षेत्र सं. 03 में चार, डब्ल्यू जे, एरिया मुनीडीह में तीन, कतरास क्षेत्र सं. 4 में तीन, सिजुआ क्षेत्र सं-5 में चार कोयला खदानें बंद हैं। सीसीएल के जगेश्वर कोयला खदान भी 1986 से बंद है और केन्द्र सरकार ने इस खदान को झारखण्ड मिनरल डेवलपमेंट कार्पोरेशन के माध्यम से चालू करने का विनिश्चय किया था, परन्तु अभी तक परिणाम शून्य है।

बंद कोयला खदानों में काफी मात्रा में कोयले का भंडार है, परन्तु कोल कम्पनियों के द्वारा विस्थापन, पर्यावरण, वैज्ञानिक एवं संबंधित समस्याओं का उचित ढंग से निष्पादन नहीं करने के कारण कोयला खदानों को चालू नहीं कराया जाता है जिससे देश को ऊर्जा समस्या, बेरोजगारी एवं राजस्व की हानि का दंश झेलना पड़ रहा है।

अतः सरकार से आग्रह है कि बंद पड़ी कोयला खदानों को पुनः चालू करने हेतु एक उच्चस्तरीय दल का गठन कर इसे चालू करने हेतु तत्काल प्रभावी कदम उठाया जाये।